The Harmony of All Religions

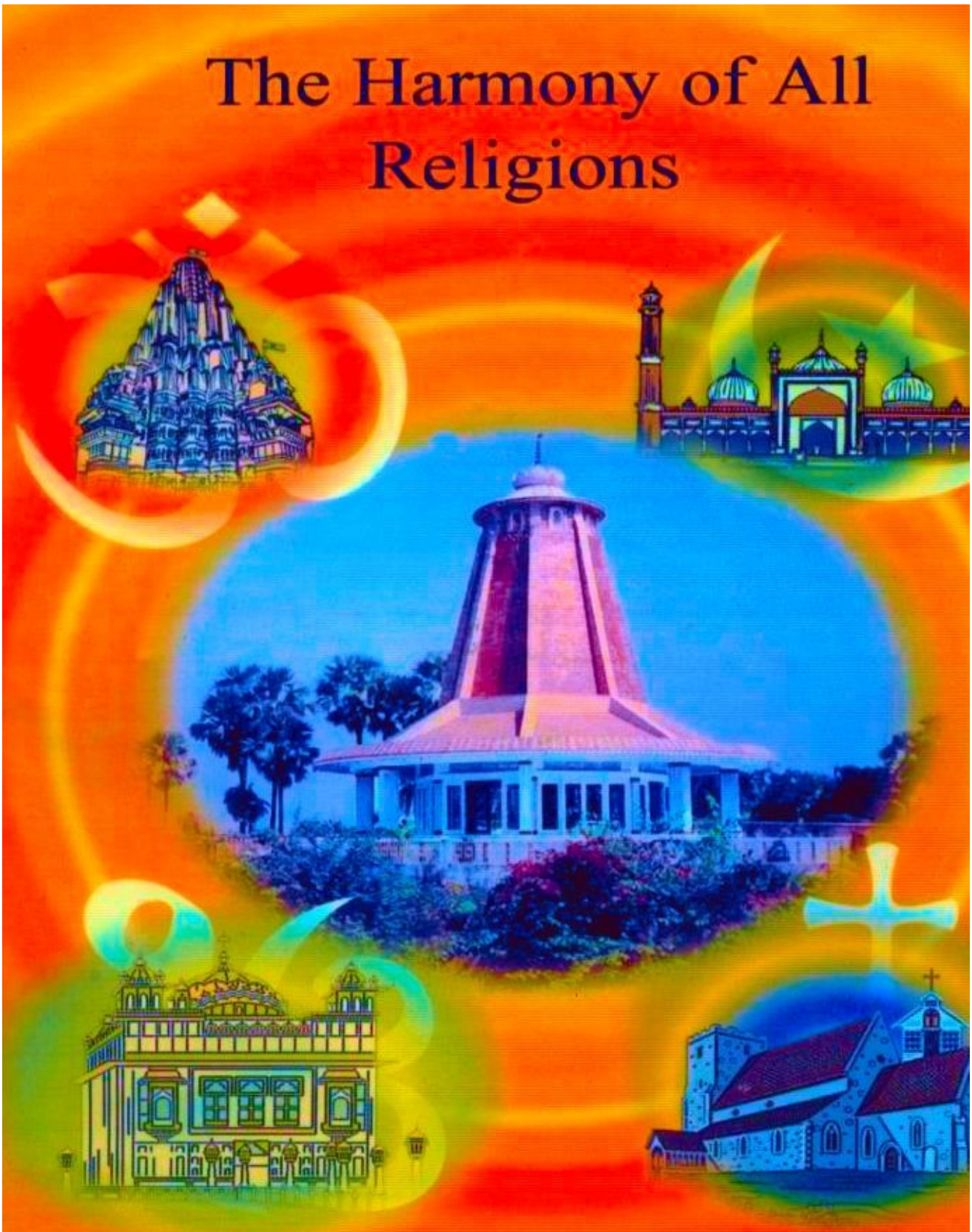

by

Maharishi Santsevi Ji Paramahans Maharaj

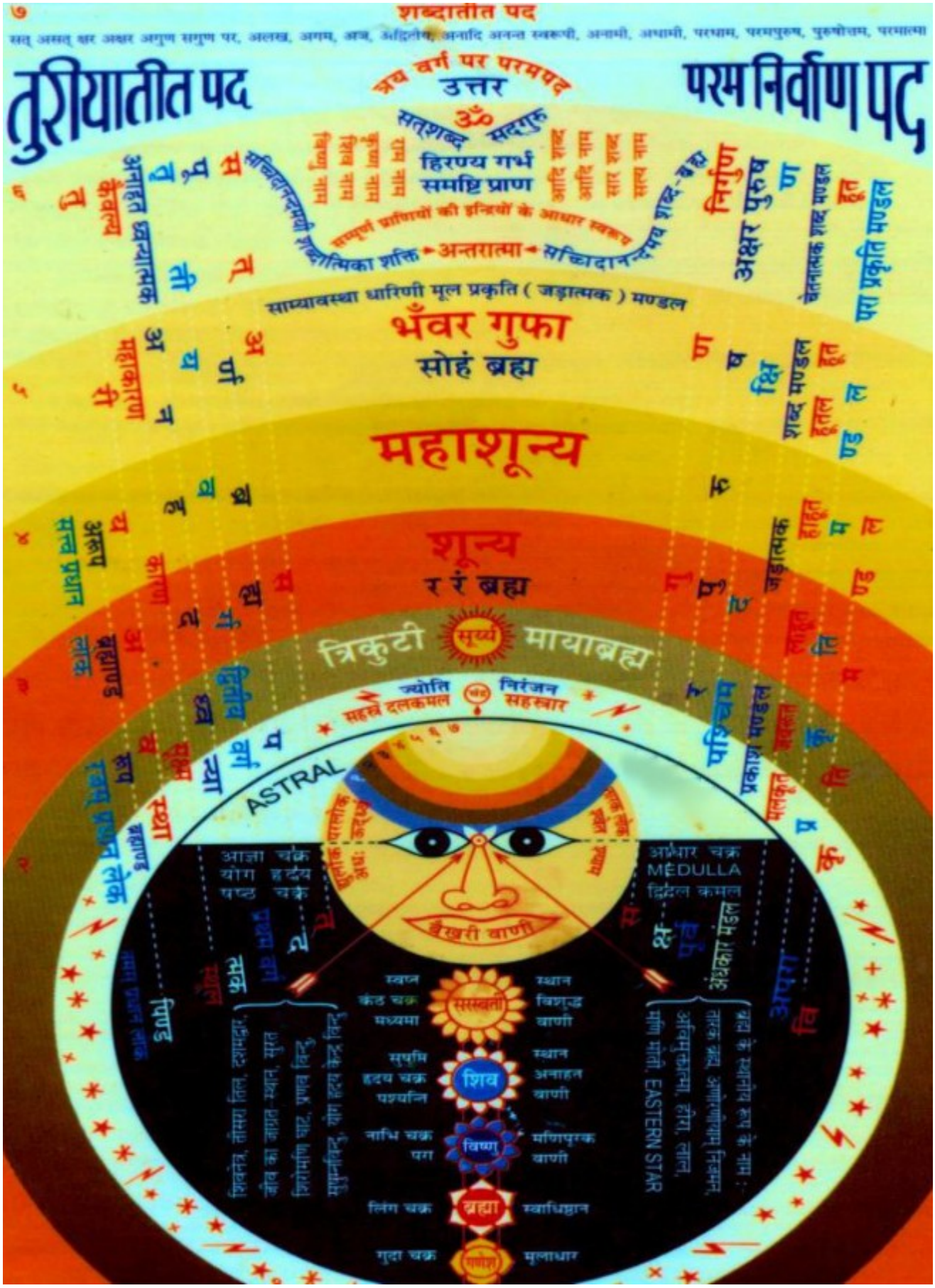

७
शब्दातीत पद
सत् असत् क्षर अक्षर अगुण सगुण पर, अलख, अगम, अज, अद्वितीय, अनादि अनन्त स्वरूपी, अनामी, अधामी, परधाम, परमपुरुष, पुरुषोत्तम, परमात्मा
तुरीयातीत पद
परम निर्वाण पद
उत्तर
सतशब्द
सद्गुरु
हिरण्य गर्भ
समष्टि प्राण
सम्पूर्ण प्राणियों की इन्द्रियों के आधार स्वरूप
अन्तरात्मा
निर्गुण
अक्षर पुरुष
साम्यावस्था धारिणी मूल प्रकृति (जड़ात्मक) मण्डल
भँवर गुफा
सोहं ब्रह्म
महाशून्य
शून्य
र रं ब्रह्म
त्रिकुटी
सूर्य
मायाब्रह्म
ज्योति
निरंजन
सहस्रार
सहस्र दलकमल
ASTRAL
आज्ञा चक्र
योग हृदय
षष्ठ चक्र
आधार चक्र
MEDULLA
द्विदल कमल
बैखरी वाणी
अंधकार मंडल
सरस्वती
कंठ चक्र
मध्यमा
विशुद्ध
वाणी
शिव
हृदय चक्र
अनाहत
विष्णु
नाभि चक्र
मणिपूरक
ब्रह्मा
लिंग चक्र
स्वाधिष्ठान
गणेश
गुदा चक्र
मूलाधार
EASTERN STAR

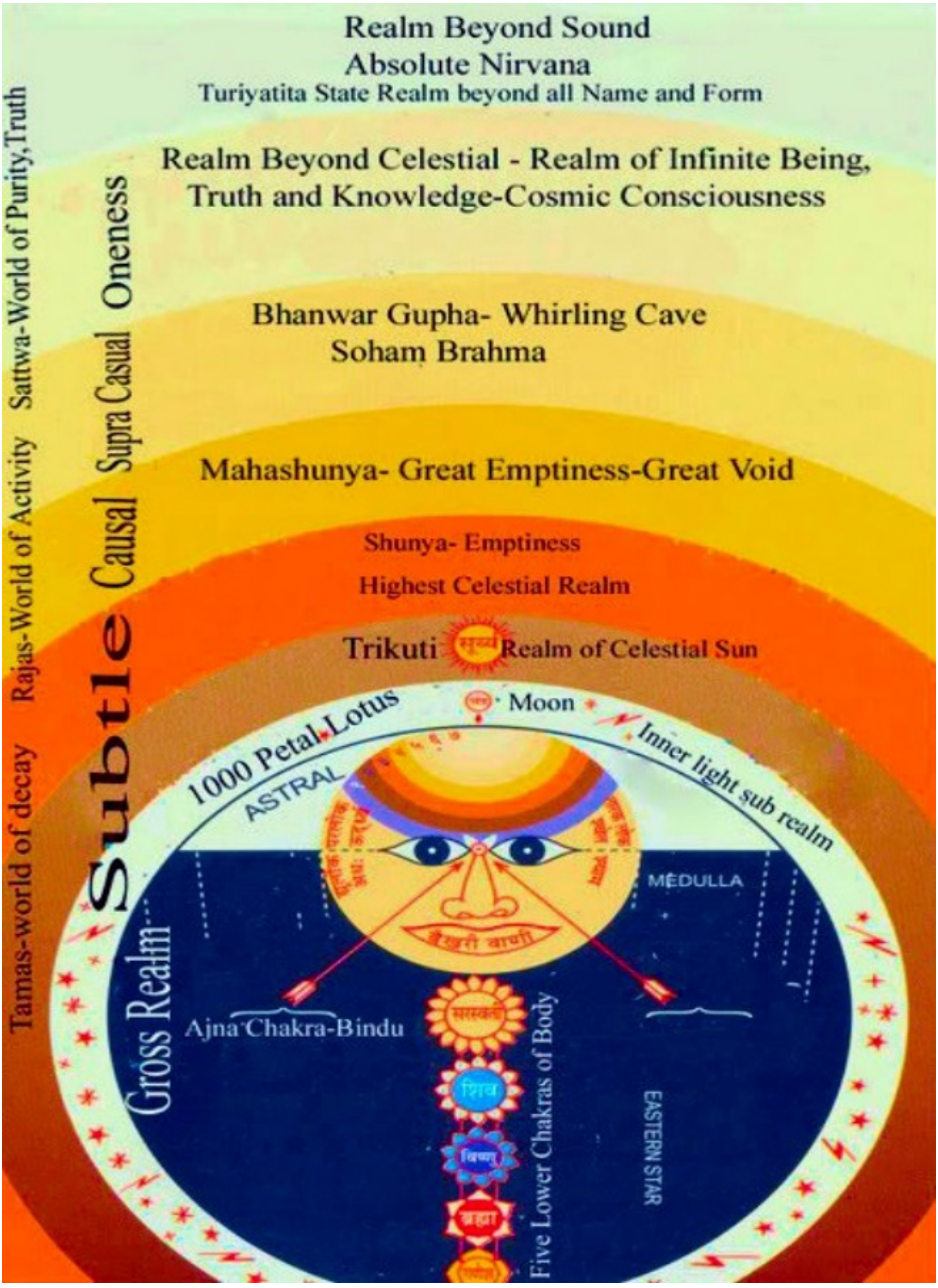
Realm Beyond Sound
Absolute Nirvana
Turiyatita State Realm beyond all Name and Form
Realm Beyond Celestial - Realm of Infinite Being, Truth and Knowledge-Cosmic Consciousness
Bhanwar Gupha- Whirling Cave
Soham Brahma
Mahashunya- Great Emptiness-Great Void
Shunya- Emptiness
Highest Celestial Realm
Trikuti
Realm of Celestial Sun
Moon
1000 Petal Lotus
ASTRAL
Inner light sub realm
MEDULLA
Ajna Chakra-Bindu
Five Lower Chakras of Body
EASTERN STAR
Gross Realm
Subtle Causal Supra Casual Oneness
Tamas-world of decay Rajas-World of Activity Sattwa-World of Purity,Truth